

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमद्भागवते तृतीयस्कन्धे
॥ श्री कर्दमस्तुतिः ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री कर्दमस्तुतिः ॥

ऋषिरुवाच

जुष्टं वताद्याखिलसत्पुराणैः
सांसिद्ध्यमश्लोकास्तु दर्शनान्नः।
यद्दर्शनं जन्मभिरिदं सन्धिः
आशासते योगिनो रूचयोगाः ॥ 1 ॥

ये मायया ते हतमेधसञ्जु -
पादारविन्दं भ्रसिष्णुपोतम्।
उपासते कामलराय तेषां
रासीश कामान्निरयेहपि ये स्युः ॥ 2 ॥

तथा स चाहं परिरौदुकामः
समानशीलां गृहमेधधेनुम्।
उपेयिरान्मूलमशेषमूलं
दुराशयः कामदुघाङ्घ्रिपस्य ॥ 3 ॥

प्रजापतेस्ते रचसाधीश तन्त्या
लोकः किलायं कामहतोहनुबद्धः।
अहं च लोकानुगतो ब्रह्मि
बलिं च शुक्लानिमिषाय तुभ्यम् ॥ 4 ॥

लोकांश्च लोकानुगतान् पशुंश्च
हिंरा श्रितास्ते चरणातपत्रम्।

পরস্পরং ৎরদগুণরাদসীধু -
পীযুষনির্যাপিতদেহধর্মাঃ ॥ 5 ॥

ন তেহজরাক্ষত্রমিরাযুরেষাং
ত্রয়োদশারং ত্রিশতং ষষ্টিপর।
ষণ্মেয়নন্তচ্ছদি যত্ৰিণাভি
করালশ্রোতো জগদাচ্ছিদ্য ধারৎ ॥ 6 ॥

একঃ স্বয়ং সঞ্জগতঃ সিসৃক্ষয়া -
দ্বিতীয়যাত্মনধিযোগমায়যা।
সৃজস্যদঃ পাসি পুনর্গ্রসিষ্যসে
যথোর্ণনাভির্ভগরন্ স্বশক্তিভিঃ ॥ 7 ॥

নৈতদ্বতাধীশ পদং তরেন্সিতং
যন্মায়যা নস্তনুষে ভূতসূক্ষ্মম্।
অনুগ্রহায়াস্ত্বপি যহী মায়যা
লসত্তুলস্য তনুরা রিলক্ষিতঃ ॥ 8 ॥

তং ৎরানুভূত্যোপরতক্রিয়ার্থং
স্বমায়যা র্তিতলোকতল্পম্।
নমাম্যভীক্ষং নমনীয়পাদ -
সরোজমল্লীযসি কামরর্ষম্ ॥ 9 ॥

॥ ইতি শ্রী কৰ্দমস্তুতিঃ সমাপ্তা ॥